AMAR UJALA MY CITY Page 5

चीन के जानकारी छिपाने से फैला कोरोना

लविवि विधि संकाय की ओर से तीन दिनी राष्ट्रीय वेबिनार के उद्घाटन पर बोले विशेषज्ञ

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। अमेरिका की ओर से चीन पर लगाए जा रहे आरोप तर्कसंगत हैं। यदि चीन समय पर डब्ल्यूएचओ को कोरोना से अवगत करा देता तो यह महामारी पूरे विश्व के लिए संकट न बनती। चीन ने छह हफ्ते देरी से इस बीमारी से अवगत कराया, जबकि वुहान में पहला केस दिसंबर में पाया गया था। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से 'क्वेस्ट फॉर वर्ल्ड पीस इन 21 सेंच्युरी' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के उद्घाटन पर वरिष्ठ अधिवक्ता, अखिल भारतीय बार काउंसिल एसोसिएशन के अध्यक्ष तथा न्यायविदों की अंतर्राष्ट्रीय परिषद, लंदन के अध्यक्ष डॉ. आदिश चंद्र अग्रवाल ने ये बातें कहीं।

विधि संकाय के डीन प्रो. सीपी सिंह ने कहा कि कोरोना आज के परिदृश्य का ज्वलंत मुद्दा है और विश्व के सभी देश इससे जूझ रहे हैं। इस महामारी के दौरान प्रदूषण, आतंकवाद, तेल के बढ़ते दाम तथा हथियारों पर अन्य देशों के अत्यधिक खर्च को विश्व शांति के लिए खतरा बताया। स्वाति सिंह परमार ने 'यूज ऑफ लॉ इन इंटरनेशनल पीस कीपिंग' विषय पर कहा कि सरकार को शांति की ऑन-दी-स्पॉट कार्रवाई के बारे में सोचना चाहिए। इवेबिनार में लगभग 400 विद्यार्थियों, अध्यापकों, विधि पेशेवरों तथा अनुसंधान एवं पीएचडी स्कॉलर आदि ने भाग लिया। आयोजन सचिव विधि संकाय विवि के प्रो मोहम्मद अहमद ने विचार रखे। वेबिनार में विधि संकाय विवि के छात्र अध्यक्ष सक्षम अग्रवाल, छात्र संयोजक सचिन वर्मा, छात्र सह-संयोजक विनय यादव तथा दिव्यांशु चतुर्वेदी, छात्र समन्वयक शिशिर यादव तथा शिखर सिंह ने प्रमुख भूमिका निभाई।

लविवि : परीक्षा और नए संस्थान पर आज लगेगी मुहर

माई सिटी रिपोर्टर

कार्य परिषद की बैठक में होंगे कई अहम फैसले

लखनऊ। लखनऊ विवि की आगामी परीक्षा और नए संस्थान के साथ ही कई अहम मुद्दों पर बुधवार को कार्य परिषद में फैसला होगा। कोरोना संक्रमण की आशंका में लविवि की परीक्षाओं के स्वरूप में क्या बदलाव होना है, इसको लेकर कार्य परिषद फैसला करेगी। इसके अलावा शिक्षकों के अवकाश व आईएमएस में नए पद के सृजन समेत कई अहम मुद्दे रखे जाएंगे। कार्य परिषद की बैठक में सबसे बड़ा मुद्दा लॉकडाउन के बाद प्रस्तावित परीक्षा के स्वरूप का निर्धारण करना है।

विवि द्वारा गठित समिति ने स्वकेंद्र आधारित परीक्षा कराने की सिफारिश की है। वहीं तीन पाली में परीक्षा कराने के विकल्प व प्रश्नपत्र में सवाल की संख्या कम करने के प्रस्ताव भी दिए जा रहे हैं। अन्य विवि में कुलपति पद पर नियुक्त लविवि के शिक्षकों के अवकाश अवधि बढ़ाने, अर्थशास्त्र विभाग में परास्नातक स्तर विद्या प्रकाश मेमोरियल छात्रवृत्ति शुरू करने, गणित तथा खगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. भास्कर श्रीवास्तव के वीआरएस पर निर्णय, हिंदी विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक की जांच और कई सहयुक्त कॉलेजों में पाठ्यक्रम की मान्यता पर भी फैसला किया जाएगा।

कोरोना समेत संक्रामक रोगों पर होगा शोध

बायोकेमिस्ट्री विभाग में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मॉलिक्यूलर्स जेनेटिक्स एंड इन्फेक्शन डिसीज की शुरुआत का प्रस्ताव भी कार्य परिषद के सामने रखा जाएगा। इस संस्थान में जेनेटिक्स के साथ ही संक्रमण पर आधारित बीमारियों पर शोध किया जाएगा। वर्तमान समय में कोरोना के संक्रमण पर भी इस संस्थान के माध्यम से शोध किया जाएगा।

सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों के न्यूनतम वेतन पर भी लगेगी मुहर

लखनऊ विवि से सहयुक्त कॉलेज में सेल्फ फाइनेंस शिक्षकों को न्यूनतम वेतन देने का प्रस्ताव भी कार्य परिषद के सामने रखा जाएगा। लविवि ने शासन के निर्देश के बाद शिक्षकों को न्यूनतम 21,600 रुपये देने संबंधी पत्र उच्च शिक्षा विभाग के पास भेजा है। इसके आधार पर कॉलेजों के संविदा शिक्षकों को न्यूनतम वेतन निर्धारण पर भी कार्य परिषद फैसला करेगा।

i-Next Page 4

एलयू के एग्जाम शेड्यूल पर आज मंथन

परीक्षाओं के साथ नए सेशन के परीक्षा पैर्टन पर होगा निर्णय

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(26 May): एलयू में वायरस की वजह से रद चल रही परीक्षाओं को दोबारा कैसे कराया जाए. साथ ही नए सेशन 2020-21 में परीक्षा का क्या प्रारूप रखा जाए. इस पर मंथन और निर्णय करने के लिए बुधवार को यूनिवर्सिटी की कार्य परिषद की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा.

CONCEPT PIC

स्वकेंद्र प्रणाली एग्जाम पर होगी चर्चा

सभी डीन की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने एलयू में स्वकेंद्र प्रणाली के तहत परीक्षा कराने के साथ कई और सुझाव रखे थे. अब कार्य परिषद में इन सभी सुझावों को रखा जाएगा. इसके अलावा एलयू से संबद्ध सभी सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेजों में पढ़ा रहे शिक्षकों को न्यूनतम 21 हजार 600 रुपए वेतनमान देने का प्रस्ताव भी कमेटी के सामने रखा जाएगा. इसके अलावा दो प्रोफेसर प्रो. अनिल शुक्ला और प्रो. मनोज दीक्षित के तीन महीने की छुट्टी स्वीकार करने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा. दोनों ही प्रोफेसर को वीसी के कार्यभार संभालने के लिए राज्यपाल की ओर से तीन महीने का सेवा विस्तार दिया गया है.

खुलेगा रिसर्च को इंस्टीट्यूट

इसके अलावा कार्य परिषद में एलयू में एक नया इंस्टीट्यूट खोलने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा. एलयू में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मालिकुलर जेनिटिक एंड इंफेक्शन डिसिज के नाम से एक अलग इंस्टीट्यूट खोलेगा, जिसमें एलयू सभी तरह के जेनिटिक व इंफेक्शन डिसिज पर रिसर्च के साथ ही उसके बारे में पढ़ाया भी जाएगा. इसके अलावा कार्य परिषद में आईएमएस में कुछ नए पदों को सृजित करने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा.

PIONEER Page 3

परीक्षाओं को लेकर आज फैसला लेगी लविवि कार्यपरिषद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के बीच परीक्षाओं के आयोजन के मसले पर बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्य परिषद की बैठक बुलाई है। बैठक के दौरान कार्यपरिषद परीक्षाओं के आयोजन पर निर्णय लेगी। साथ ही नए सत्र 2020.21 में परीक्षा का क्या प्रारूप रखा जाए। इस पर मंथन और निर्णय करने के लिए बुधवार को यूनिवर्सिटी की कार्य परिषद की बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। अभी हाल ही में उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों को सुझाव दिए थे कि ऑनलाइन पैटर्न की दिशा में परीक्षाओं के आयोजन के बारे में भी विचार करें।

कुलपति की अध्यक्षता में कार्य परिषद की बैठक में एलयू से सम्बद्ध सभी सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेजों में पढ़ा रहे शिक्षकों को न्यूनतम 21 हजार 600 रुपए वेतनमान देने का प्रस्ताव भी कमेटी के सामने रखा जाएगा। इसके अलावा दो प्रोफेसर प्रोण् अनिल शुक्ला और प्रो. मनोज दीक्षित के तीन महीने की छुट्टी स्वीकृत करने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा। दोनों ही प्रोफेसर को वीसी के कार्यभार संभालने के लिए राज्यपाल की ओर से तीन महीने का सेवा विस्तार दिया गया है। वही एलयू के सूत्रों का कहना है कि कार्य परिषद में हिंदी के प्रो. आरसी त्रिपाठी के फर्जी मार्कशीट्स के मामला की जांच पूरी हो चुकी है। इस मामले की रिपोर्ट भी कार्य परिषद के सामने रखी जाएगी। अगर कमेटी के सामने यह मामला सही पाया गया तो प्रो. त्रिपाठी पर कार्रवाई होने की पूरी संभावना है। इसके अलावा बीते दिनों राजभवन ने प्रोफेसर मधुरिमा लाल और प्रो. राजीव महेश्वरी के बीच वरिष्ठता के विवाद को लेकर जो निर्णय लिया है। वह भी कार्य परिषद में रखा पास किया जाएगा। ज्ञात हो कि राजभवन ने प्रो. महेश्वरी को वरिष्ठ मानते हुए निर्णय लिया है। इसे यूनिवर्सिटी प्रशासन को अवगत कराया है। इसके अलावा मैथ विभाग के प्रो. भास्कर श्रीवास्तव के वीआरएस को मंजूर करने का प्रस्ताव भी कमेटी में रखा जाएगा।

एलयू में खुलेगा जेनिटिक डिजीज पर रिसर्च के लिए इंस्टीट्यूट: इसके अलावा कार्य परिषद में एलयू में एक नया इंस्टीट्यूट खोलने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा। एलयू में इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मालिकुलर जेनिटिक एंड इंफेक्शन डिजीज के नाम से एक अलग इंस्टीट्यूट खोलेगा, जिसमें एलयू सभी तरह के जेनिटिक व इंफेक्शन डिजीज पर रिसर्च के साथ ही उसके बारे में पढ़ाया भी जाएगा। इसके अलावा कार्य परिषद में आईएमएस में कुछ नए पदों को सृजित करने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा।

NBT Page 4

एलयू में कार्य परिषद आज, होंगे जरूरी फैसले

■ **एनबीटी, लखनऊ** : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को कार्य परिषद की बैठक बुलाई गई है। इसमें लॉकडाउन के कारण रद परीक्षाएं करवाने और नए सेशन 2020-21 में परीक्षा के पैटर्न पर निर्णय लिया जाएगा। साथ ही डीन की अध्यक्षता में गठित समिति की तरफ से सेल्फ सेंटर परीक्षाओं को लेकर सुझाव भी रखे जाएंगे। एलयू से सम्बद्ध सभी सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेजों में पढ़ा रहे शिक्षकों को न्यूनतम 21 हजार 600 रुपये वेतनमान देने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इसके अलावा कई अन्य जरूरी फैसलों पर निर्णय लिया जाना है। एलयू में इंस्टिट्यूट ऑफ अडवांस मॉलिकुलर जेनिटिक ऐंड इंफेक्शन डिजीज खोलने का भी प्रस्ताव रखा जाएगा।